>

Ttile: Regarding Dudhawa lake in Kankore Parliamentary Constituency.

श्री मोहन मण्डावी (कांकेर): माननीय अध्यक्ष जी, कांकेर जिले में बहुत बड़ा दुधावा जलाशय है, लेकिन हमारे यहां जीरो परसेंट भी सिंचाई व्यवस्था नहीं है। गंगा कही जाने वाली महानदी गर्मी के दिनों में सूख जाती है। मछली मारने के लिए बीच में ही पानी खाली कर दिया जाता है। मेरा आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से आग्रह है कि महानदी के दोनों तरफ दुधावा जलाशय की सिंचाई व्यवस्था की जाए।

हमारे यहां पर्यटकों के लिए भी कोई जगह नहीं है। दुधावा क्षेत्र को पर्यटक स्थल बनाया जाए। माननीय प्रधान मंत्री देने लेने में संकोच नहीं करते।

देत लेत मन संक न धरई। बल अनुमान सदा हित करई॥
बिपति काल कर सतगुन नेहा। श्रुति कह संत मित्र गुन एहा॥

माननीय अध्यक्ष: माननीय सदस्य 40,000 हनुमान चालीसा बांट चुके हैं।

श्री मोहन मण्डावी: माननीय अध्यक्ष जी, मैं आरक्षित क्षेत्र से आता हूं, इसलिए समय में थोड़ा आरक्षण मिलना चाहिए। मैं माननीय प्रधानमंत्री जी के लिए कहना चाहता हूं -दैहिक दैविक भौतिक तापा। मोदी राज नहिं काहुहि ब्यापा। अगर दुधावा बांध से पानी मिल जाए तो हमारे क्षेत्र में राम राज्य स्थापित होगा।

मेरा आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से अनुरोध है कि इसे पूरा करने की कृपा करें।